

or general priority for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes to be allotted lands.

Other measures of educational and economic development taken both in the General and the Backward Classes Welfare Sectors would go to promote the welfare of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes. These measures are being continued in the Fourth Five Year Plan.

#### Accommodation for Railway Employees in Delhi and New Delhi Areas

5062. SHRI GADILINGANA GOWD: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is an acute shortage of Railway Government accommodation for the Northern Railway serving employees in Delhi New Delhi area and they have to come from far off places to attend their offices;

(b) whether there are about 15,000 serving Railway employees in Delhi/ New Delhi who are on the waiting list for allotment of Railway accommodation;

(c) whether the Railway administration has not embarked upon any phased scheme for the construction of houses to house the 15,000 serving Railway employees;

(d) whether there is one Cooperative Housing Society located in the Railway Board office for providing plots for the construction of their own houses and the Society has failed to provide large number of employees with plots and it is refunding the share-money to those registered after January, 1968; and

(e) if the replies to parts (a) to (d) be in the affirmative, the reasons therefor and the steps being taken to remove this hardship?

THE MINISTER OF RAILWAYS  
(DR. RAM SUBHAG SINGH): (a)

and (b). Out of a total strength of about 26,000 Railway employees in Delhi area about 8,000 Nos. i.e., 31 per cent have been provided with staff quarters. This is not very inadequate when compared with the overall percentage of staff housed on Indian Railways which is 38 per cent.

(c) Additional quarters are being constructed on a programmed basis according to availability of funds.

(d) A Cooperative Housing Society called "The Railway Board Employees Cooperative Housing Society Ltd." which was registered in the year 1961 is functioning. This Society is an autonomous body, registered under the Cooperative Societies Act. Due to non-availability of additional land by the Delhi Administration to meet the demand of the Society, the Managing Committee of the Society decided to refund the advance to the persons on the waiting list.

(e) As stated in reply to part (c) construction of additional quarters is undertaken on programmed basis, subject to availability of funds.

बांदा जंक्शन में गाड़ियों के साथ  
सीधे डिब्बे लगाना

5063. श्री जगेश्वर यादव : क्या  
रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बांदा जंक्शन से दिल्ली तथा हावड़ा की ओर जाने वाले यात्रियों को कानपुर तथा मानकपुर स्टेशनों में गाड़ियां बदलने में बहुत कठिनाई उठानी पड़ती है ;

(ख) क्या सरकार बांदा जंक्शन से चलने वाली कुछ गाड़ियों के साथ दिल्ली तथा हावड़ा के लिये सीधे डिब्बे लगवायेगी ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त मांग पूरी करने पर बहुत धन व्यय नहीं होता ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) :

(क) और (ख) : बांदा से दिल्ली तथा हावड़ा जाने वाले और वापस आने वाले यात्रियों के लिए कानपुर और मानिकपुर स्टेशनों पर मुख्य लाइन की गाड़ियों के साथ उपयुक्त मेल की व्यवस्था की गयी है। लेकिन इस समय एक और बांदा और दूसरी ओर हावड़ा तथा दिल्ली के बीच सीधा जाने वाला जितना यातायात होता है उसकी दैनिक औसत इतनी कम है कि इन स्टेशनों के बीच सीधे सवारी डिब्बे चलाने का कोई औचित्य नहीं बनता।

(ग) जी नहीं। खण्डीय सवारी डिब्बे चलाने पर अतिरिक्त खर्च होता है।

मध्य रेलवे पर एक्सप्रेस/सवारी गाड़ियों का देरी से चलना

5064. श्री जगेश्वर यादव : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य रेलवे झांसी-मानिकपुर संकथन पर सवारी गाड़ियां, लखनऊ बांदा एक्सप्रेस गाड़ियां तथा कानपुर बांदा सवारी गाड़ियां लगभग गत आठ महीने - अर्थात् 8 घण्टे, 6 घण्टे तथा 4 घण्टे देरी से चलती रही हैं ;

(ख) मध्य रेलवे के बांदा संकथन पर वे गाड़ियां 10 से 25 जुलाई 1969 तक कितने बजे पहुंची तथा कितने बजे रवाना हुईं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त गाड़ियां देरी से चलने से यात्रियों को अगली गाड़ियां नहीं मिलती तथा उनका बहुत सा समय नष्ट हो जाता है ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि इस बारे में की गई अनेक शिकायतों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है ;

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) :

(क) जी नहीं।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या LT 1854/69]

(ग) और (घ) : झांसी-बांदा-मानिकपुर और बांदा-कानपुर लखनऊ खंडों पर सवारी गाड़ियों का समय पर चलना, विभिन्न कारणों से सन्तोषजनक नहीं रहा है, जैसे समाज विरोधी तत्वों द्वारा खतरे की जंजीर खींचे जाने की अत्याधिक घटनाएं और तांबे के तारों की भारी मात्रा में चोरी और उसके कारण कंट्रोल का फेल हो जाना। इन गाड़ियों के लेट चलने के फलस्वरूप कुछेक बार ऐसा हुआ है कि गाड़ी बांदा में मेल नहीं ले सकी। उदाहरणतः 10-7-1969 से 25-7-1969 के बीच गाड़ियां तीन बार मेल नहीं ले सकी इन खण्डों पर गाड़ियों के संचालन को सुधारने के लिये सभी सम्भव कदम उठाये जा रहे हैं और यह मामला राज्य सरकार के प्राधिकारियों के ध्यान में भी लाया गया है और बांदा-कानपुर-मानिकपुर क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार लाने के लिये उनकी मदद मांगी गयी है, ताकि समाज विरोधी तत्वों द्वारा खतरे की जंजीर खींचने की घटनाओं को यथासम्भव कम किया जा सके।

Cess on Salt

5065. SHRI R. K. BIRLA: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Gov-